

पृथग्वैतस्य ज्ञानस्याधायो भवति 1,8,13. ज्ञानविषये विद्विषायोः: CĀNKA.
 Ca. 13,5,1. °संपन्न R. 1,1,14. सुज्ञाना SIDDE. K. zu P. 4,1,54. Vop. 4,17.
 ज्ञाने मौनम् RAGH. 1,22. डर्भगामणप्रयो ज्ञानं भारः क्रियो विना HIT. I,
 16. तपः परे कृतपुणे चेतायां ज्ञानमुद्यते । हापरे पश्चेवार्जुदानमेकं कलौ
 पुणे ॥ M. 1,86. ब्राह्मणस्य तपो ज्ञानं तपः तत्रस्य रुक्षाणम् 11,235. ज्ञानाग्निना
 पापं सर्वं दृहति वेदवित् 246. बुद्धिजीवेन प्रुद्यते 8,109. सहं ज्ञानं तपो
 ९ज्ञानम् 12,26. लैकिकम् वैदिकम् आध्यात्मिकं ज्ञानम् 2,117. कर्म — ज्ञान-
 पूर्वम् 12,89. ज्ञानयोग, कर्मयोग (क्रिययोग) BHAG. 3,3. Verz. d. Oxf. H. 10,
 b. COLEBR. Misc. Ess. I, 416. ज्ञानानुकृतिः KAP. 3,23. °दीर्घीत JOGAS. 2,28.
 °संभार् BURN. Lot. de la b. I. 795. Häufig in Verb. mit विज्ञान M. 9,41. BHAG.
 3,41. MBH. 14,600. R. 1,24,16. 3,11,12. das Wissen um Etwas, das Be-
 wusstsein mit dem man bei einer That zu Werke geht: अज्ञानात्तेक्तिकस्य
 ohne Wissen des Besitzers des Feldes M. 8,243. अज्ञानायदि वा ज्ञाना-
 त्कृत्वा कर्म विगर्हितम् 11,232. ज्ञानतो ऽज्ञानतो उपि वा 8,288. ज्ञानाज्ञा-
 नकृतम् 145. DAÇ. 2,223. R. 3,60,26. 5,64,6. PANKAT. II, 181. III, 120.
 (विद्य) ज्ञानपूर्वकृत DAÇ. 2,22. — 2) Besinnung, Bewusstsein: मुख्यप्रविष्टि ज्ञानान्वयना
 मृतकल्पा MBH. 1,5827. ARÉ. 8,16. कलिनापकृतज्ञानः N. 10,
 25. — 3) Erkenntnissorgan, Sinnesorgan (vgl. ज्ञानेन्द्रियः): पदा पञ्चाव-
 तिष्ठते ज्ञानानि मनसा सह । बुद्धिय न विचेष्टते तामाङ्गः परमां गतिम् ॥
 KATHOP. 6,10.—4) सर्विषः, मधुना ज्ञानम् P. 2,2,10, VÄRTT., Sch.; vgl. ज्ञा 4.
 ज्ञानकार्त s. u. काएट.
 ज्ञानकीर्ति (ज्ञान + कीर्ति) m. N. pr. eines buddh. Lehrers WASSILJEW 76.
 ज्ञानकेतु (ज्ञान + केतु) m. das Zeichen der Erkenntniss, adj. mit dem
 Zeichen der Erkenntniss versehen; m. N. pr. eines Mannes LALIT. 167.
 ज्ञानकेतुधृत (ज्ञान + धृत) m. N. pr. eines göttlichen Wesens LALIT. 27.
 ज्ञानगम्य (ज्ञान + गम्य) adj. der Erkenntniss zugänglich, von Civa CIV.
 ज्ञानगर्भ (ज्ञान + गर्भ) m. N. pr. eines Gelehrten VJUTP. 90. eines
 Bodhisattva 23.
 ज्ञानचक्षुम् (ज्ञान + चक्षुम्) m. das Auge der Erkenntniss, das innere
 Auge, der Geist: सर्वं तु समवेद्येदं निखिलं ज्ञानचक्षुषा M. 2,8,4,24. MBH.
 13,2284; vgl. समवेत्तत तं विप्रो ज्ञानदीर्घेण चक्षुषा 12,6742.
 ज्ञानदत्त (ज्ञान + दत्त) m. N. pr. eines Gelehrten VJUTP. 91.
 ज्ञानदर्पण (ज्ञान + दर्पण) m. Spiegel der Erkenntniss, Bein. Mañgu-
 çri's TRIK. 1,1,20.
 ज्ञानपति (ज्ञान + पति) m. Herr der Erkenntniss; davon adj. ज्ञानपति
 (f. शं) gaṇa अश्वपत्यादि zu P. 4,1,84.
 ज्ञानपावन (ज्ञान + पावन) adj. die Erkenntniss läuternd, n. N. pr. eines
 Tirtha MBH. 3,7081.
 ज्ञानप्रभ (ज्ञान + प्रभ) m. N. pr. eines Mannes Hist. de la vie de
 HIOUEN-THSANG 222,319, eines Bodhisattva VJUTP. 21.
 ज्ञानप्रवाद (ज्ञान + प्रवाद) n. Titel eines der 14 Pūrva oder älteren
 Schriften der Gaina H. 247.
 ज्ञानप्रस्थान (ज्ञान + प्रस्थान) n. Titel eines buddh. Werkes BURN. Intr.
 447. WASSILJEW 107.
 ज्ञानबोधिनी (ज्ञान + बोधिनी) f. Titel eines von Çāmkara verfassten
 philosophischen Tractats (die Erkenntniss erweckend), herausgegeben
 von BERGSTEDT.

ज्ञानभास्कार (ज्ञान + भास्कार) m. Titel eines medic. Sammelwerkes

ज्ञानमएडप (ज्ञान + मृ) N. eines Heilighums Verz. d. Oxf. H. 71,b.
 ज्ञानमय (von ज्ञान) adj. in Erkenntniss bestehend, Erkenntniss in sich
 schliessend u. s. w.: तपस् MUND. UP. 1,1,9. ते हि ज्ञानमयो निधिः MBH.
 12, 11549. वद्धि RAGH. 8,20. मुखाम्बुरुष्मासव BHAG. P. 2,4,24. सर्वज्ञानमयो
 हि सः (मनुः) M. 2,7.

ज्ञानमुक्तावली (ज्ञान + मुक्ति) f. Titel eines astron. Werkes Verz. d. B.
 H. No. 883.

ज्ञानमेरु (ज्ञान + मेरु) m. N. pr. eines Mannes LALIT. 167.

ज्ञानराज (ज्ञान + राज) m. N. pr. eines astronomischen Schriftstellers
 COLEBR. Misc. Ess. II, 428.431. Verz. d. B. H. No. 539.832.833.868.

ज्ञानर्पितास्त्राचार्य (ज्ञान-श्रीप-भास्कार-आचार्य) m. N. pr. eines Autors
 Verz. d. B. H. No. 1048 (ज्ञानर्पितो).

ज्ञानलक्षणा (ज्ञान + लक्षण) f. ein Ausdruck aus der Logik: अलौकिकः
 संनिकर्षत्वविद्यः परिकीर्तिः। सामान्यलक्षणा ज्ञानलक्षणा योगजस्तथा ॥
 BHĀSHĀP. 62. विषयी पस्य तत्त्वे व्यापरो ज्ञानलक्षणा 64. RÖSR: the in-
 tercourse of any thing, of which there is a knowledge, is called the intercourse,
 whose character is knowledge.

ज्ञानवज्र (ज्ञान + वज्र) m. N. pr. eines buddh. Autors WASSILJEW 77.

ज्ञानवत् (von ज्ञान) 1) adj. P. 8,2,9, Sch. Vop. 7,28.30. Etwas wissend,
 intelligent, mit Kenntnissen ausgestattet, gelehrt, eine höhere Erkenntniss
 habend: इमिन्द्रजालमिति ज्ञानवान् VEDĀNTAS. (Allah.) No. 144.
 TATTVAS. 49. MBH. 12,3465. BHAG. 10,38. R. 6,102,7. VARĀH. LAGHUG. 9,8.
 KATHĀS. 26,108. ÇUK. 41,11. von Civa CIV. wo sich Erkenntniss findet:
 लोकान् KHĀND. UP. 7,7,2. — 2) m. N. pr. eines Bodhisattva VJUTP. 21.
 ज्ञानवरणीय s. u. ज्ञानवरणीय.

ज्ञानवापी (ज्ञान + वापी) f. N. pr. eines Tirtha Verz. d. Oxf. H. 70, a,6.

ज्ञानविभूतिगर्भ (ज्ञान-विभूति + गर्भ) m. N. pr. eines Bodhisattva
 VJUTP. 23.

ज्ञानविलासकाव्य (ज्ञान-विभूति + काव्य) n. Titel eines Gedichts Verz.
 d. B. H. No. 541.

ज्ञानपात्र (ज्ञान + पात्र) n. die Lehre der Wahrsagerie VER. 36, 14.

ज्ञानकृतिक (von ज्ञान + कृति) m. N. pr. eines Mannes PRĀVARĀDHAS.
 in Verz. d. B. H. 58.

ज्ञानाकर (ज्ञान + आकर) m. N. pr. eines Sohnes des Buddha Ma-
 habhīrgñāgnābhībhū Lot. de la b. I. 98. N. pr. eines Buddha
 HIOUEN-THSANG I,335.

ज्ञानानन्द (ज्ञान + आनन्द) m. N. pr. eines Autors Verz. d. B. H. No.
 1284.

ज्ञानामृत (ज्ञान + अमृत) n. Titel einer Grammatik COLEBR. Misc. Ess.
 II,48.

ज्ञानार्पण (ज्ञान + अर्पण) m. ein Meer von Kenntnissen: सूत Verz. d.
 Oxf. H. 9,6,20. Titel eines von Jamarāga verfassten Lehrbuches der
 Medicin ebend. 22,6,6. Titel eines Gebetbuches MACK. COLL. I,139.

ज्ञानवरणीय (von ज्ञान + वरणीय) adj. wobei die Erkenntniss als
 Hülle, als Hinderniss betrachtet wird: कर्मन् Sch. zu H. 24.60. ज्ञानव-
 रणीय COLEBR. Misc. Ess. I, 384.

ज्ञानवलोकालंकार (ज्ञान-वलोकान + अलंकार) m. Titel eines buddh.